

NAGPUR SCHOOL OF ART

Dr. MUNJE ROAD, DHANTOLI, NAGPUR-440 012.

फोन.
25-820

NO.

DATE 22-12-60

श्रीय श्री. वृद्धा यांसी, सक्षम नमस्कार
आपने 22.12.60 को पत्र भिजवाते ले पाहुन
मे फार आनंद हुआ। आज पास उतर
पाठव हो - कही ला उरुहिर उरुला शुभास्व.
delay

सप्त. वृत्त. श्री डि. 20 नवंबर को अजारी होला
वसंत राव यांनी डॉक्टर आणन चांगले
औषध भाल आता मला फार वर पार मज्जा
आपले ही दी ले वरन फार चांगले दर्जाचे आहु
व ल आम्हाक वाचना कठिण ज्ञान माहरी.

आपले व श्रीय. डॉ. यांनी यांची सदर गिनि
चांगले उरुली असली ल. असे वार ले.
फाले 120. 11 रोजी आपण पाठवले की 9000 रु. म. 0.
दि. 12 को एक भुस्मा मा फिल. भिजा ली फार धन्यवाद
आपणाम इत की लसदी देण योग्य नाही असे
वार ले. - वसंत राव, व मा. रू. या 2 भर्तीनी मला
वेक लसदी मदन देल असली ल. पुन
आपण ही मना करून मा. रू. आठ वण ठेकी ल
अहो - याला - आपले धन्यवाद दे ज्यास मला
आनंद होला. पुन्हा म. म. पु. व. क. रू. म. चला

श्रीमती
जाननी
याना

रु. म. चला. आपला राम वृ. आठ वले

NAGPUR SCHOOL OF ART

DR. MUNJE ROAD, DHANTOLI, NAGPUR-440 012.

NO.

DATE 4 May 81

Dear Shri Raza, ~~it is~~.

Though I rec'd a letter from you 2½ months ago (16. Feb 81.) Pl excuse me for not replying it so far — I went on for Today - Tomorrow? soon & today I am writing something.

My self & Vasant Rao are going as usual these days. — & remember you always.

I think I wrote you as soon as I got Rs 1000. as m.o. from you. through your friend at Selhi. I am sorry I forgot to send him my thank. letter. I hope you might have wrote to him some time. So also — though late I congratulate you for the award of (4th SD) to you announced by Govt of India. I presume ^{that} Govt of Madhya Pradesh have proposed your name for this. I wish you to have even more high position in future.

With Pauling

~~So~~ I think you are keeping busy with your work these days — I expect some more in your letter next time. Thank you

please convey

my kindest regards
& good wishes to
Dear Janin.

yours Sd
In the award

NAGPUR SCHOOL OF ART

NO.

Dr. MUNJE ROAD, DHANTOLI, NAGPUR-440 012.

DATE १६-४-८१

४. म. ८१.

पदम-श्री-एस.एच.रड-त यांस सफुन नमसा
आप लं - १८.१६ फरवरी ८१ चे पत्र मिळाले व करणे
फार धन्यवाद देत आहे. - आपण लंडन पणे
३९ - ४२ पर्यंत या मार्कल होता. व त्याच वेळपासून
अगोडा पर्यंत आपण आमची आठवण ठेवत आडा
बासले विक (यानंतर आपण स्वतःची हिमाली वर
मुंबई - नंतर पॅरोस - मध्ये फार काळ करून
आडा सवाय पदा वर विराडा मानू शकता.

मध्य प्रदेशात नु गारुत सरकारने आपणास
देऊन सममानित करून आहे याबद्दल मी आपला
हार्दिक अभिनेदन करेला त्याचा आपण
स्वकार कराव अशी आशा बाळगता.

आपला. सर्वोच्च हिलसेलक.

बापूराव.

गम. वही आठवले

पेरिस, 28 मई, 1979.

आदरणीय भूत जी,

आपका 8 मई का पत्र मिला। धन्यवाद। आपके चिन्ता श्री, काफी समय से, आपका कोई समाचार न पाया, और 52 भा वि, आपको मेरा पिछला पत्र न मिला हो। आप बहुत ही सज्जन हैं, यह जानकर बड़ी खुशी हुई।

देश के सम्मान से जो स्तुति आपके मिला है, इसे किस तरह पुनः करूँ। मेरी लगन पुण्य है, पर मेरे सहसासों का अभाव, बिना कुछ गोंगे ही, इतने स्नेह के साथ किया जो रहा है, इसे जो का - विदेश में - हार्दिक स्तुति - शान्ति मिली है।

मैं हाँकिया हूँ। समय कम है, समय इतनी जल्दी बीत रहा है, और चित्रकारी का बड़ा कोटि लग रहा है ...।

दिल्ली के मित्रों के धन्यवाद पहुँचाया जा चुका है। इसकी चिन्ता न करें। जब भी समय मिले आपके कुछ शब्द लिखें। मैं हिन्दी नहीं भूलता हूँ और आपसे अराही में लिखे पत्र सरलता से पढ़ सकता हूँ। यह मेरे बचपन के शिक्षकों की कृपा है - श्री कबी प्रसाद जी स्थापक और श्री गोर शंकर जी लहरी, जिन्होंने हिन्दी भाषा का प्रेम किया। उनके अर्थों अपने शिक्षकों पर।

फिर आना चाहता हूँ - जल्दी ही। कब, आलस नहीं। 82-83 के यहां से गोरवियों जायेंगे - चार महीने के लिये। 3 अक्टूबर को वापसी। 90 नवंबर को (Copenhagen, Denmark) में प्रदर्शनी। Delhi Biennale में भी चित्र मेजवानी है, Bhopal Museum का उद्घाटन 1st November, 1981 हो रहा है। काम बहुत है। पत्र और समाचार अवश्य लिखें, गोरवियों के पत्र पर। वसन्तपूर्व की वसन्त उद्घाटन और गो स्वामी की सल्लेखें।

आशा सहित - सदैव ईदो (का)

पता: RMA, Big du Chateau, 60830 BOURBON, 06500 MENTON - FRANCE